

1

वन्दना

अञ्जयास्कृष्टी

1. वन्दना में लिखे सभी श्लोकों को याद कीजिए।

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

2. दिए गए श्लोकों का हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) हे प्रभु! मुझे असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो।

(ख) गुरु ब्रह्म हैं, गुरु विष्णु हैं, गुरु महेश्वर देव हैं, गुरु साक्षात् परब्रह्म है, उन श्री गुरु को नमस्कार है।

3. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्- (क) मृत्योर्मामृतम् = मृत्योर्मा + अमृतम्

(ख) त्वमादि = त्वम् + आदि

(ग) वेत्तासि = वेत्ता + असि

(घ) ज्योतिर्गमय = ज्योतिः + गमय

(ङ) देवेशः = देव + ईशः

4. दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- (क) अति = अति सर्वत्र वर्जयेत्।

(ख) तमस = हे प्रभु! मां तमसः ज्योतिं प्रति नम।

(ग) गमय = मृत्योर्माऽमृतं गमय।

(घ) वेत्ता = ईश्वरः सर्ववेत्ता अस्ति।

(ङ) नमः = सर्वेभ्यो देवेभ्यो नमः।

2

संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

अञ्जयास्कृष्टी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (क) संस्कृत साहित्यस्य अनुशीलनेन दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूयाः क्षमा अन्ये च अनेके गुणाः सञ्जायन्ते।

(ख) संस्कृतस्य आदिकविः महर्षिः वाल्मीकिः अस्ति।

(ग) महाकविः कालिदासः कविकुलगुरुः कथ्यते।

(घ) महर्षिः वाल्मीकिः, महाकविः कालिदासः, भासः, भारविः, भवभूति आदयः प्रमुखाः कवयः आसन्।

(ङ) सुरभारती, गीर्वाण भारती, पावनी इति नामानि सन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) आदिकविः वाल्मीकिः रामायण कथा अलिखत्।

(ख) संस्कृत भाषा विश्वस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति।

(ग) संस्कृत साहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः अस्ति।

(घ) इयं भाषा मातृभाषा समं वन्दनीया।

3. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

- उत्तरम्- (क) भारतदेशः → साहित्यम्
 (ख) प्राचीनतमा → वाल्मीकिः
 (ग) संस्कृतस्य → धन्योऽयम्
 (घ) आदिकविः → भाषा
 (ङ) कालिदास → वेदाः
 (च) चत्वारो → कवि कुलगुरुः

4. शब्दों के विलोम शब्दों के साथ मिलाइए-

- उत्तरम्- (क) ज्ञानम् → अधार्मिकः
 (ख) धार्मिकः → नवीनः
 (ग) प्राचीनः → असत्यम्
 (घ) सत्यम् → अज्ञानम्
 (ङ) अस्माकम् → जनकः
 (च) जननी → परः
 (छ) स्वः → युष्माकम्

5. निम्नलिखित पदों की धातु लिखिए-

उत्तरम्-	पद	धातु	पद	धातु
	(क) धावति	धाव्	(ख) अनमाम	नम्
	(ग) पश्यन्तु	पश्य्	(घ) रुदथः	रुवद्
	(ङ) क्रीडन्ति	क्रीड्	(च) ताडयति	ताड्
	(छ) चलसि	चल्	(ज) चलेत्	चल्

6. दिए गए पदों का पद-परिचय दीजिए-

उत्तरम्-	पदम्	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
	यथा : नराणाम्	नरः	षष्ठी	बहुवचनम्
	(क) साहित्यस्य	साहित्यः	षष्ठी	एकवचनम्
	(ख) पाठकानाम्	पाठकः	षष्ठी	बहुवचनम्
	(ग) भाषासु	भाषा	सप्तमी	बहुवचनम्
	(घ) संस्कृतस्य	संस्कृतः	षष्ठी	एकवचनम्
	(ङ) गद्ये	गद्य	सप्तमी	एकवचनम्
	(च) अनेकानि	अनेकम्	प्रथमा	बहुवचनम्
	(छ) मूलभूतानाम्	मूलभूतः	षष्ठी	बहुवचनम्

7. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) संस्कृत साहित्यं सञ्जायन्ते।

अनुवाद-संस्कृत साहित्य का व्याकरण सरस और सुनिश्चित है। इसके गद्य और पद्य के भावों में अद्वितीय सुंदरता और माधुर्य निहित है। और क्या अधिक कहें, चरित्र-निर्माण के लिए जैसी प्रेरणा संस्कृत साहित्य देता है, वैसी और कोई दूसरा नहीं। दया, दान, पवित्रता, उदारता, ईर्ष्या रहित, क्षमा भाव और दूसरे गुण संस्कृत साहित्य के अध्ययन से ही उत्पन्न होते हैं।

(ख) इयं भाषा दिव्या गीर्वाणभारती।

अनुवाद-यह भाषा मातृभाषा के समान वंदनीय है। यह भाषा सभी भाषाओं में प्राचीन और श्रेष्ठ है। इसलिए सही कहा है—“भाषा में मुख्य भाषा देवों की वाणी मधुर संस्कृत भाषा है।”

8. शुद्ध वाक्य पर (✓) तथा अशुद्ध वाक्य पर (✗) का चिह्न लगाइए-

उत्तरम्-(क) (✗) (ख) (✓) (ग) (✗) (घ) (✗) (ड) (✓) (च) (✗)।

9. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्-(क) भाषा वयं संस्कृत भाषा रुच्याः पठामः।

(ख) संस्कृतभाषा संस्कृतभाषा विश्वस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति।

(ग) अनेकानि अस्यां भाषायाम् अनेकानि पुस्तकानि रचितानि सन्ति।

(घ) साहित्य अस्याः भाषायाः साहित्यं विशालम् अस्ति।

(ड) यत्र यत्र कुत्रापि पश्यामः तत्र संस्कृतस्य एव प्रभावः दृश्यते।

(च) यादृशी यादृशी सत् प्रेरणा अस्याः भाषायाः लभते तादृशी अन्यत्र न।

अस्य- अस्य पठनं-पास्नम् अति रुचिकरम् अस्ति।

10. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्-(क) धन्योऽयम् = धन्यः + अयम्

(ख) विद्यमनेषु = विद्यमान + एषु

(ग) जननीति = जन + नीति

(घ) निर्माणार्थम् = निर्माण + अर्थम्

(ड) अद्यापि = अद्य + अपि

(च) अन्यानि = अन्य + आनि

11. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्-(क) संस्कृतः एका प्राचीना भाषा अस्ति।

(ख) अस्य साहित्यं विशालम् अस्ति।

(ग) अहं श्वः वाराणसी नगरं गमिष्यामि।

(घ) तौ अद्य गृहं गतवन्तौ।

(ड) धैनुः तृणम् अखादत्।

12. निम्नलिखित क्रियापदों में से धातु व उपसर्ग छाँटकर लिखिए-

उत्तरम्- क्रियापद धातु उपसर्ग

क्रियापद धातु उपसर्ग

(क) सञ्जायन्ते जन् सम्

(ख) समुल्लस्ति

उल्लम्

(ग) विराजन्ते राज् वि

(घ) अनुगच्छति

सम्

अनु

तृतीयः पाठः

3

स्वतन्त्रता दिवसः

अश्यास्तकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तरम्-(क) अगस्त्यमासस्य पञ्चदशे दिनाङ्के स्वतन्त्रता दिवसः भवति।

(ख) यतोहि अस्मिन् एव दिने भारतीयाः आङ्गलीयानां शासनात् विमुक्ताः अभवन्।

(ग) प्रधानमन्त्रिणः आगमने ध्वजरोहणानन्तरे च समारोहस्य आरम्भः भवति।

(घ) पं. जवाहरलाल नेहरू स्वतन्त्र भारतस्य प्रथमः प्रधानमन्त्री अभवत्।

- (द) भगतसिंहः, चन्द्रशेखर आजादः, सुभाषचन्द्र बोसः, महात्मा गान्धी आदयः।
 (च) देशजनान् प्रति प्रधानमन्त्री सन्देशं ददाति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) विद्यालयेषु बालकाः क्रीड़ाङ्गणेषु सोत्साहं क्रीडिष्यन्ति।
 (ख) पं० जवाहरलाल नेहरू अस्माकं प्रथमः प्रधानमन्त्री आसीत्।
 (ग) मित्र! स्वतन्त्रता दिवसस्य आरम्भः कदा अभवत्?
 (घ) श्व स्वतन्त्रता दिवसः अस्ति।
 (ङ) गणतन्त्रदिवसः अस्माकं राष्ट्रीय उत्सवः अस्ति।
 (च) मित्रः अद्यः तु अहं स्वतन्त्रदिवसे सर्वं ज्ञातवान्।

3. निम्नलिखित वाक्यों को भूतकाल में परिवर्तन कीजिए-

- | | |
|---|---|
| उत्तरम्- (क) सः आपणम् अगच्छत। | (ख) अहं पुस्तकम् अपठम्। |
| (ग) त्वं कुत्र अगच्छः? | (घ) जनाः एतं समारोहं द्रष्टुम् आगच्छन्। |
| (ङ) भारतस्य प्रधानमन्त्री श्री मनमोहन सिंहः भाषणम् अवदत्। | (च) वयं पाठम् अपठाम। |

4. कत्वा प्रत्यय को जोड़कर दो वाक्यों के स्थान पर एक वाक्य लिखें-

- | | |
|--|---|
| उत्तरम्- (क) राजपथे शोभायात्रा अग्रसरं भूत्वा रक्तदुर्ग प्राप्तनोति। | (ख) जनाः एतं समारोहं दृष्ट्वा मन्त्रमुग्धाः भवन्ति। |
| (ग) त्वं दुर्घां पीत्वा किं करिष्यसि? | (घ) ते भोजनं खादित्वा विद्यायलं गमिष्यन्ति। |
| (ङ) ते ईश्वरं नत्वा गृहं गमिष्यन्ति। | |

5. नीचे लिखे पदों का निर्देशानुसार पद-परिचय दें-

उत्तरम्-	पदः	मूल शब्दः	विभक्तिः	वचनम्
(क)	अस्माकम्	अस्मद्	षष्ठी	एकवचनम्
(ख)	उत्तर	उत्तर	प्रथमा	एकवचनम्
(ग)	दिवसस्य	दिवसः	षष्ठी	एकवचनम्
(घ)	भागेषु	भागः	सप्तमी	बहुवचनम्
(ङ)	दर्शनाय	दर्शनम्	चतुर्थी	एकवचनम्
(च)	पञ्चदशः	पञ्चदश	प्रथमा	एकवचनम्

6. निम्नलिखित में सन्धि-विच्छेद कीजिए-

- | | | | | | |
|---------------------------|-------------|-----------|--------------------|---------|------------|
| उत्तरम्- (क) यन्त्रालयेषु | = यन्त्रः | + आलयेषु | (ख) इच्छामि | = इच्छ् | + आमि |
| (ग) राष्ट्रीयोत्सवः | = राष्ट्रीय | + उत्सवः | (घ) विविध योगेभ्यः | = विविध | + योगेभ्यः |
| (ङ) सम्बोध्यति | = सम् | + बोध्यति | | | |

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- | | |
|---|-------------------------------------|
| उत्तरम्- (क) श्वः स्वतन्त्रता दिवसः भविष्यति। | (ख) तत्र दीपा त्वया सह क्रीडिष्यति। |
| (ग) अद्य अहं त्वया सह चलिष्यामि। | (घ) किं त्वमपि सह चलिष्यासि? |
| (ङ) नहि, अहं श्वः गमिष्यामि। | |

8. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- | | |
|---|--|
| उत्तरम्- (क) हे मित्र! और कौन-सी प्रतियोगिताएँ होंगी। | (ख) दिल्ली में तो इस समारोह की सुंदरता अपूर्व होती है। |
| (ग) प्रधानाचार्य देश के लिए भाषण बोलता है। | (घ) इसके बाद शिक्षक सभी को लड्डू बाँटेंगे। |
| (ङ) तुम शहीदों के नाम भी नहीं जानते हो। | |

9. दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) वदति - देवः दक्षेण सह न वदति।
 (ग) इच्छामि - अहं जलं पातुम् इच्छामि।
 (ड) भविष्यति - श्वः मम परीक्षा भविष्यति।

- (ख) आगच्छ - त्वम् इह आगच्छ।
 (घ) आसीत् - सः कक्षायां न आसीत्।

चतुर्थः पाठः

4

धूर्तः न विश्वसनीयः

अध्यास्तकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्- (क) व्याघ्रः सरस्तीरे अकथयत् यत् भोः भोः पथिकाः! इदं स्वर्णकङ्कणं गृह्यताम्।
 (ख) व्याघ्रः हस्तं प्रसार्य पथिकं स्वर्णकङ्कणम् अदर्शयत्।
 (ग) पाञ्चं पङ्के पतितं दृष्ट्वा व्याघ्रः अवदत् यत् महापङ्के पतितोऽसि, तिष्ठ। अहं त्वाम् उत्थापयामि।
 (घ) व्याघ्रः सरस्तीरे आसीत्।
 (ड) पाञ्चो सिंहम् अवदत् यत् कथं मारात्मके त्वयि विश्वासः कुर्याम।
 (च) सिंहः केनचित् धार्मिकेण अदिष्टः।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सः आहु कुत्र तव कङ्कणम्। (ख) दानधर्मादिकं चरतु भवान्।
 (ग) व्याघ्रः हस्तं प्रसार्य दर्शयति। (घ) त्वम् अतीव निर्धनः।
 (ड) धूर्तः न विश्वसनीयः।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

उत्तरम्- अपृच्छम्	पूछा	उपदेशन	उपदेश से	सरसि	तालाब में
दारा:	पत्नियाँ	सुवर्णकङ्कणम्	सोने का कंगन	स्नात्वा	नहाकर

4. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) कुत्र - दर्शय कुत्र तव कङ्कणम्?
 (ख) भृता - मम पुत्राः दाराश्च मृताः।
 (ग) दारा: - मम दारा: मां परित्यज्य अपरस्मिन् स्थाने प्रस्थिताः।
 (घ) स्नात्वा - अधुना त्वं सरसि स्नात्वा इदं कङ्कणं गृहाण।
 (ड) पतितम् - पङ्के पतितं पथिकं दृष्ट्वा सिंह प्रसन्नः अभवत्।
 (च) व्याघ्रः - व्याघ्रः तं लुब्धं पथिकम् अभक्षयत्।

5. रंगीन पदों को आधार बनाकर प्रश्न का निर्माण कीजिए-

- उत्तरम्- (क) एकः व्याघ्रः कीदृशाः आसीत्?
 (ख) व्याघ्रः कीदृशाः आसीत्?
 (ग) सः ब्राह्मणः कुत्र अपतत्?

- (घ) तस्य हस्ते किम् आसीत्?
 (ङ) ब्राह्मणः केन आकृष्टः आसीत्।

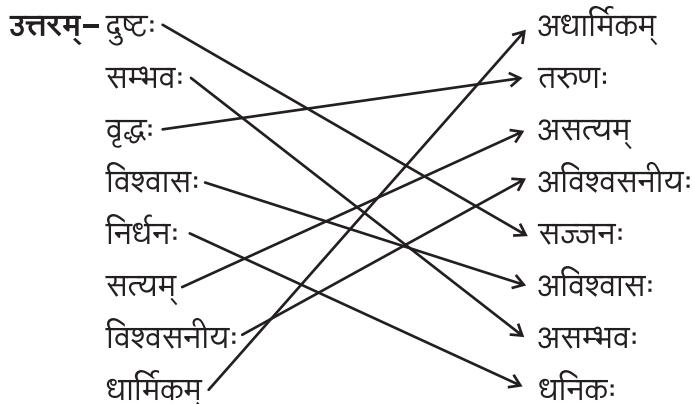
6. निम्नलिखित में सन्धि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्-	(क) पान्थोऽवदत् = पान्थः + अवदत्	(ख) लोभाकृष्ट = लोभः + आकृष्टः
	(ग) चैतवान् = च + एतवान्	(घ) सरस्तीरे = सरः + तीरे
	(ङ) भाग्येनैतत् = भाग्येन + एतत्	(च) धर्मादिकम् = धर्म + आदिकम्
	(छ) तथापि = तथा + अपि	(ज) स्नात्वा = स्ना + त्वा

7. कहानी के आधार पर वाक्यों को क्रमानुसार लिखिए-

- उत्तरम्-
- (क) एकः व्याघ्रः वृद्धः आसीत्।
 - (ख) तत् अति लोभात् आकृष्टः केनचित् पान्थी आलोचितम्।
 - (ग) सः आह-कुत्र तव कङ्कणम्?
 - (घ) शृणु रे पान्थ! पूर्व समये अहम् अति दुष्टः आसम्।
 - (ङ) अहं केनचित् धार्मिकम् अपृच्छम्।
 - (च) मम तु एतवान् लोभ विरहो येन स्वहस्तस्य सुवर्णकङ्कणम् अपि यस्मै कस्मै दातुम् इच्छामि।
 - (छ) अहं पश्यामि त्वम् अतीव निर्धनः।
 - (ज) सरसि स्नात्वा इदं सुवर्णकङ्कणं गृहाण।
 - (झ) अहं त्वाम् उत्थापयामि।
 - (ञ) शनैः-शनैः तस्य उपगम्य तेन व्याघ्रेण भक्षितः।

8. निम्नलिखित शब्दों को उनके विलोम शब्दों से मिलाइए-



9. नीचे लिखे शब्दों में विभक्ति व वचन बताइए-

उत्तरम्-	विभक्ति:	वचनम्
(क) पापस्य	षष्ठी	एकवचनम्
(ख) सरस्तीरे	सप्तमी	एकवचनम्
(ग) मानुषाणाम्	षष्ठी	बहुवचनम्
(घ) व्याघ्रः	प्रथमा	एकवचनम्
(ङ) आलोचितम्	प्रथमा	एकवचनम्
(च) पङ्क्षे	सप्तमी	एकवचनम्

अङ्ग्यास्त्रकृष्टी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्- (क) विद्या सर्वस्य भूषणम्।
 (ग) सताम् आचारः सदाचारः।
 (ड) विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।
 (छ) वृत्तं यत्नेन संरक्षेत्।

- (ख) सर्वे गुणाः काञ्चनम् आश्रयन्ति।
 (घ) लोभः पापस्य कारणम्।
 (च) हितं मनोहारि च वचः दुर्लभम्।
 (ज) गतो कालः न आयाति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) परोपकाराय सतां विभूतयः।
 (ग) वृत्तं यत्नेन संरक्षेत्।
 (ड) कष्टं खलु पराश्रयः।
 (छ) आचारः परमो धर्मः।

- (ख) कुरुपता शीलतया विराजते।
 (घ) शीलं सर्वत्र वै धनम्।
 (च) लोभः पापस्य कारणम्।

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

- उत्तरम्- (क) पापस्य पुण्यस्य
 (ग) दुर्लभः सुलभः
 (ड) सदाचारः दुराचारः
 (छ) कीर्तिः अपकीर्तिः

- (ख) महाजनाः अधमाः
 (घ) अशान्तस्य शान्तस्य
 (च) हितम् अहितम्

4. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

- उत्तरम्- (क) परम महत्
 (ग) वृत्तम् चरित्रम्
 (ड) काचनः कश्चिद्र

- (ख) हितम् कल्याणम्
 (घ) दुर्लभः अप्राप्य
 (च) खलु निश्चयः

5. निम्नलिखित में सन्धि-विच्छेद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) परोपकारः = पर + उपकारः
 (ग) पराश्रयः = पर + आश्रयः

- (ख) चायातिः = च + आयाति
 (घ) विद्यालयः = विद्या + आलयः

6. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सर्वे गुणाः → (i)
 (ख) असमीक्ष्य न → (ii)
 (ग) हितं मनोहारि च → (iii)
 (घ) गत कालो → (iv)
 (ड) सतां सज्जनानाम् → (v)
 (च) विद्या सर्वस्य → (vi)
 (छ) परोपकाराय → (vii)
- (i) कर्तव्यं सुसमीक्षतम्।
 → (ii) काञ्चनमाश्रयन्ति।
 → (iii) सतां विभूतयः।
 → (iv) आचारः सदाचारः।
 → (v) भूषणम्।
 → (vi) दुर्लभं वचः।
 → (vii) न चायाति।

7. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) वही रास्ता सही है, जिससे महान लोग गए हैं।
 (ख) जिसे आत्मिक शांति नहीं, उसे सुख कहाँ।
 (ग) हितकारी और मनोहारी वाणी दुर्लभ है।
 (घ) मनुष्य जैसा कर्म करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है।
 (ड) सज्जनों का आचरण सदाचार कहलाता है।

8. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सदाचारः परमो धर्मः। (ख) विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।
 (ग) कष्टं खलु पराश्रयः। (घ) लोभः पापस्य कारणम्।

षष्ठः पाठः

6

वसन्त ऋतुः

अध्यास्तकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्- (क) वर्षे षट् ऋतवः भवन्ति।
 (ग) पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति।
 (घ) अस्मिन् ऋतौ दिशः सुखाः, प्रदोषाः रम्याश्च भवन्ति।

- (ख) वसन्ते आकाशः अति निर्मलः भवति।
 (घ) वसन्तस्य पर्यावाचकः शब्दः ऋतुराजः अस्ति।

2. कर्मवाच्य रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) बालकैः विद्यालयं गम्यते।
 (ग) अस्माभिः दूरदर्शने अवलोक्यते।
 (घ) मया इदानीं शैत्यं अनुभूयते।

- (ख) ग्रीष्मे सूर्येण तप्यते।
 (घ) युष्माभिः शिक्षकाः समादरणीयाः।
 (च) सर्वे प्रियं चारुतरं भूयते।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) द्वयोः मासयोः एकः ऋतुः भवति।
 (ग) पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति।
 (घ) भारते एकस्मिन् वर्षे षड् ऋतवः भवन्ति।

- (ख) वनेषु उपवनेषु कोकिलाः कूजन्ति।
 (घ) अयं वसन्तः ऋतुराजः इति कथ्यते।
 (च) नद्यां निर्मलं जलं वहति।

4. विशेषण को विशेष्य के साथ मिलाइए-

उत्तरम्-	विशेषण	विशेष्य
(क)	स्वच्छाः	→ आकाशः
(ख)	निर्मलः	→ रमणीयः
(ग)	ऋतु	→ पवनः
(घ)	मन्दः	→ दिशाः
(ड)	सुगन्धितम्	→ प्रकृतिः
(च)	सौन्दर्यः	→ पुष्पम्

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) आकाश बहुत निर्मल होता है।
 (ग) स्वच्छ दिशाएँ खुशी की तरह चमकती हैं।
 (ड) यह ऋतु रमणीय होती है।
- (ख) फूलों पर भींगे गुनगुनाते हैं।
 (घ) भारत में एक वर्ष में छह ऋतुएँ होती हैं।
 (च) यह वसंत ऋतुराज कहलाता है।

6. निम्नलिखित श्लोक की हिंदी लिखिए-

उत्तरम्- द्रुमाः वसन्तम्॥

अनुवाद- पेड़ फूलों से लदे हुए, जल में कमल खिले हुए, तालाब बहुत सुंदर, सुगंधित हवा, सुखककारी और दोषरहित ये दिशाएँ रणणीय हैं। वसंत ऋतु में सब कुछ सुंदर और अच्छा होता है।

7. नीचे लिखे वाक्यों में से अव्यय पदों को छाँटकर लिखिए-

उत्तरम्- (क) इति (ख) सर्वत्र (ग) अति (घ) सर्वत्र (ड) कदा, अत्र (च) तत्र, एव।

8. नीचे लिखे पदों का पद-परिचय दीजिए-

उत्तरम्-	पद	मूल शब्द:	विभक्ति:	वचनम्
(क)	वृक्षेषु	वृक्षः	सप्तमी	बहुवचनम्
(ख)	जनानाम्	जनः	षष्ठी	बहुवचनम्
(ग)	पुष्पाणाम्	पुष्पम्	षष्ठी	एकवचनम्
(घ)	भारतस्य	भारतः	षष्ठी	एकवचनम्
(ड)	वृक्षाः	वृक्षः	प्रथमा	बहुवचनम्
(च)	रूपेण	रूपम्	तृतीया	एकवचनम्
(छ)	भारतस्य	भारतः	षष्ठी	एकवचनम्

9. नीचे दी गई क्रिया पदों के सामने धातु, लकार, पुरुष व वचन लिखिए-

उत्तरम्-	क्रिया पद	मूल धातु	लकारः	पुरुष	वचनम्
(क)	भवति	भू, भव्	लट्	प्रथमः	एकवचनम्
(ख)	आयान्ति	आय्	लट्	प्रथमः	बहुवचनम्
(ग)	कूर्दयन्ति	कूर्द्	लट्	प्रथमः	बहुवचनम्
(घ)	आसीत्	अस्	लङ्	प्रथमः	एकवचनम्
(ड)	अगच्छम्	गच्छ	लङ्	उत्तमः	एकवचनम्
(च)	पिबतम्	पिब्	लोट्	मध्यमः	द्विवचनम्
(छ)	पठत	पठ्	लोट्	मध्यमः	बहुवचनम्
(ज)	धावन्तु	धाव्	लोट्	प्रथमः	बहुवचनम्

10. वाक्यों को लृट लकार में बदलिए-

- उत्तरम्- (क) वनेषु कोकिलाः कूजिष्यन्ति।
 (ग) आकाशः निर्मलः भविष्यति।
 (ड) अहं पाठं पठिष्यामि।
 (छ) जनाः मुदिताः भविष्यन्ति।
- (ख) पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जिष्यन्ति।
 (घ) सः गृहं गमिष्यति।
 (च) पुष्पाणां सुगन्धः प्रसरिष्यति।

11. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) वसन्तः रम्यः ऋतुः अस्ति।

(ख) पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति।

- (ग) उद्याने खगा: कलरवं कुर्वन्ति।
 (ड) वसन्तं ऋतुराजः अपि कथ्यते।

(घ) अस्माकं देशे षड् ऋतवः भवन्ति।

सप्तमः पाठः

7

महर्षि दयानन्दः

अञ्ज्यास्त्रकृष्टी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्-** (क) दयानन्दस्य जन्म सौराष्ट्रप्रान्ते टंकारा नाम्नि ग्रामे अभवत्।
 (ख) दयानन्दस्य पितुः नाम श्रीकृष्ण तिवारी आसीत्।
 (ग) महर्षि दयानन्दस्य बाल्यकालिं नाम मूलशङ्कर नाम मूलशङ्करः आसीत्।
 (घ) महर्षि दयानन्दः गुरु विरजानन्दस्य शिष्यः आसीत्।
 (ड) मूलशङ्करः जनकेन सह शिवालयम् अगच्छत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्-** (क) दयानन्दः कुशाग्रबुद्धिः आसीत्।
 (ख) मूलशङ्कराय पिताशिवरात्रिव्रतमाचरितुम् अकथयत्।
 (ग) दयानन्द सर्वप्रथम गंगातटे पाखंड खण्डनी पताकां स्थापयत्।
 (घ) मूलशङ्करः एकं मूषकंम् अपश्यत्।
 (ड) स्वामि विरजानन्दः मथुरायाम् आसीत्।

3. निम्नलिखित क्रियापदों में धातु, लकार, पुरुष व वचन लिखिए-

उत्तरम्-	क्रियापद	धातु	लकार	पुरुष	वचनम्
	आसीत्	अस्	लङ्	प्रथमः	एकवचनम्
(क)	अत्यजत्	त्यज्	लङ्	प्रथमः	एकवचनम्
(ख)	अकरोत्	कृ	लङ्	प्रथमः	एकवचनम्
(ग)	अजनयत्	जन्	लङ्	प्रथमाः	एकवचनम्
(घ)	अतप्यत्	तप्	लङ्	प्रथम	एकवचनम्
(ड)	अकथयत्	कथ्	लङ्	प्रथमः	एकवचनम्
(च)	अभ्रमत्	भ्रम्	लङ्	प्रथमः	एकवचनम्

4. निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द, विभक्ति व वचन लिखिए-

उत्तरम्-	शब्दरूप	मूल शब्द	विभक्ति:	वचनम्
(क)	सौराष्ट्रप्रान्ते	सौराष्ट्रप्रान्तः	सप्तमी	एकवचनम्
(ख)	शिवस्य	शिवः	षष्ठी	एकवचनम्
(ग)	मूलशङ्कराय	मूलशङ्करः	चतुर्थी	एकवचनम्
(घ)	पूर्वतात्	पर्वतः	पञ्चमी	एकवचनम्

(ঁ)	গ্রামম্	গ্রাম:	দ্বিতীয়া	একবচনম্
(চ)	সর্বণাম্	সর্ব	ষষ্ঠী	বহুবচনম্
(ছ)	বিষ্ণুচিকায়া	বিষ্ণুচিকা	তৃতীয়া	একবচনম্
(জ)	শি঵ালয়ে	শি঵ালয়:	সপ্তমী	একবচনম্

5. निम्नलिखित में सन्धि-विच्छेद कीजिए-

- उत्तरम्-** (क) शिवालय शिव + आलय (ख) पितृव्योऽपि पितृव्य + अपि
 (ग) स्यादिति स्यात् + इति (घ) विरजानन्दोऽपि विरजानन्दः + अपि

6. निम्नलिखित शब्दों को उनके पर्यायवाची शब्दों से मिलाइए-

उत्तरम्- जनकः	→ नानृतम्
मूलशङ्करः	→ अन्धः
सत्यम्	→ पितृ
देवलयः	→ नाम
विलोचनम्	→ मन्दिरम्

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- | | |
|--|---|
| उत्तरम्- (क) सः पठनाय वाराणसीं गमिष्यति। | (ख) सदाचारेण एव मनुष्यः श्रेष्ठः भवति। |
| (ग) अस्माभिरपि परोपकारः कर्तव्यः। | (घ) मूलशङ्करः शिवरात्रि व्रतमाचरितवान्। |
| (ङ) सः वैदिक मतस्य प्रचारमकरोते। | |

8. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्—(क) और आठवें वर्ष में इनका उपनयन संस्कार किया।
(ख) तीन वर्षों के बाद इनके चाचा भी मृत्यु को प्राप्त हो गए।
(ग) एक दिन उन्होंने घर छोड़ दिया।
(घ) इनके हृदय में अचानक वैराग्य का दीपक प्रज्वलित हो गया।
(ङ) क्रमशः विराजनंद के समीप गए।

ਅ਷ਟਮ: ਪਾਠ:

8

विज्ञानरथ चमत्कारः

अश्वस्त्रकृष्णी

1. एक पद में उत्तर दीजिए-

- उत्तरम- (क) विज्ञानम्। (ख) विज्ञानेन। (ग) कम्प्युटर यन्त्रम्। (घ) कम्प्युटरयन्त्रेण। (ङ) सूचना तकनीकी क्षेत्रे।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्- (क) सांसारिकस्य पदार्थस्य विशिष्टं ज्ञानं विज्ञानम् इति।
 (ख) विज्ञानस्य पञ्च यन्त्राणि सन्ति-फ्रिजयन्त्रम् रेडियोयन्त्रम्, कम्प्यूटरः, विमानम्, दूरदर्शनम्।
 (ग) घाव लगायें।

- (घ) विज्ञानस्य शक्तेः विद्युत् प्रयोगः श्रेष्ठः अस्ति।
 (ङ) विज्ञानस्य प्रयोगः सर्वेषां हिताय एव करणीयं न तु मानवाविनाशस्य, इदमेव कर्तव्यं मनुष्याणाम् इति।
 (च) मानव अज्ञानाम् अपरस्मिन् शरीरे प्रत्यारोपणम् इति चिकित्सा क्षेत्रे अभूतपूर्वा उपलब्धिः अस्ति।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) विज्ञानस्य प्रभावेण सम्पूर्ण सृष्टेज्ञानं सम्भवं जातम्।
 (ख) विशिष्टं ज्ञानं विज्ञानम् उच्यते।
 (ग) विज्ञानं विना जीवनस्य कल्पना अपि न सम्भवास्ति।
 (घ) अस्माकं गृहे अपि विज्ञानेन निर्मितानि बहूनि वस्तूनि सन्ति।
 (ङ) जीवनस्य अन्येषु क्षेत्रेषु अपि विज्ञानम् अस्माकं सहायतां करोति।

4. नीचे लिखे वाक्यों में से अव्यय पदों को रेखांकित कीजिए-

- उत्तरम्- (क) विज्ञानं बिना जीवनस्य कल्पना शक्तिं अपि सम्भवनाः नास्ति।
 (ख) अद्य गृहे-गृहे अस्य उपयोगः अस्ति।
 (ग) अधुना मानव जीवनस्य प्रति क्षेत्रः विज्ञानेन प्रभावितः अस्ति।
 (घ) अद्य शिक्षा क्षेत्रेऽपि अस्य महती भूमिका वर्तते।
 (ङ) अद्य चिकित्सा अति उन्नता जाता।

5. निम्नलिखित में सन्धि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्- (क)	सर्वत्रैव	सर्वत्र	+	एव	(ख)	किमपि	किम्	+	अपि
(ग)	गृहेऽपि	गृहे	+	अपि	(घ)	सर्वाधिकोपयोगी	सर्वाधिक	+	उपयोगी
(ङ)	इत्यादीनि	इति	+	आदीनि	(च)	व्यंजनानि	व्यंजन	+	आनि

6. निम्नलिखित शब्दों के धातु व प्रत्यय लिखिए-

उत्तरम्-	शब्द	धातु	प्रत्यय
(क)	भूत्वा	भू	क्त्वा
(ख)	पठित्वा	पठ्	क्त्वा
(ग)	दृष्ट्वा	दृश्	क्त्वा
(घ)	भवितुम्	भू, भव्	तुमुन्
(ङ)	नमितुम्	नम्	तुमुन्
(च)	आगत्यः	आगम्	ल्यप्
(छ)	विहायः	त्यज्	ल्यप्

7. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए-

उत्तरम्- (क)	पदार्थस्य	षष्ठी	(ख)	सहाय्येन	तृतीया	(ग)	विज्ञानस्य	षष्ठी
(घ)	रेलयानम्	प्रथमा	(ङ)	संचालनम्	प्रथमा	(च)	शक्त्या	तृतीया
(छ)	अस्माकम्	षष्ठी						

8. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) इस फ्रिज में रखी वस्तुएँ ठंडी होती हैं।
 (ग) आज घर-घर में इसका उपयोग होता है।
 (ङ) आज शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी महान् भूमिका है।
 (ख) विज्ञान के प्रभाव से सारी सृष्टि का ज्ञान संभव है।
 (घ) कंप्यूटर विज्ञान की महान उपलब्धि है।

9. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) कम्प्यूटरयन्त्रेण सर्वेषु क्षेत्रेषु क्रान्तिकारी परिवर्तनम् अभवत्।
 (ख) नवीन-नवीनानां औषधीनाम् आविष्कारः अभवत्।
 (ग) विद्युत् इत्यनेन व्यजनानि चलन्ति।
 (घ) विद्युत् इत्यनेन रेलयानम् न्द्रामयानमपि चलन्ति।
 (ङ) विज्ञानेन अद्य बहवः असाध्याः रोगाः साधिताः।

नवमः पाठः

9

सुवचनानि

अश्यास्तकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्- (क) काव्यशास्त्रविनोदेन धीमतां कालः गच्छति। (ख) व्यसनेन, निद्रया कलेहन वा मूर्खाणां कालः गच्छति।
 (ग) विदेशेषु धनं विद्या अस्ति। (घ) दुर्बलस्य बलं राजा अस्ति।
 (ङ) चौराणां बलं अनृतम् अस्ति। (च) सम्पूर्णः कुम्भः शब्दं न करोति।

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) बालानां बलं रोदनम् अस्ति। (ख) परलोके धनं धर्मः।
 (ग) मूर्खाणां समयः व्यसनेन गच्छति। (घ) उदाचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।
 (ङ) सर्वं परवशं दुःखम्।

3. नीचे लिखे पदों की धातु लिखिए-

उत्तरम्-	पद	धातु	पद	धातु
(क)	गच्छति	गम्	(ख)	करोति
(ग)	अभवम्	भू	(घ)	भविष्यति
(ङ)	पठामः	पठ्	(च)	वदेत्

4. निम्नलिखित पदों में मूल शब्द, विभक्ति व वचन लिखिए-

उत्तरम्-	पद	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
(क)	कुटुम्बकम्	कुटुम्बकम्	प्रथमा	एकवचनम्
(ख)	समर्थस्य	समर्थः	षष्ठी	एकवचनम्
(ग)	सुपुत्रेण	सुपुत्रः	तृतीया	एकवचनम्
(घ)	बालानाम्	बालः	षष्ठी	बहुवचनम्
(ङ)	परलोके	परलोकः	सप्तमी	एकवचनम्
(च)	व्यसनेषु	व्यसनम्	सप्तमी	बहुवचनम्
(छ)	समुद्रेषु	समुद्रः	सप्तमी	बहुवचनम्
(ज)	तृप्तस्य	तृप्तः	षष्ठी	एकवचनम्

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

उत्तरम्-(क) निजः	परकीयः	(ख)	परवशम्	स्ववशम्
(ग) सुखम्	दुःखम्	(घ)	तृप्तस्य	अतृप्तस्य
(ड) समर्थस्य	असमर्थस्य	(च)	अनृतम्	सत्यम्
(छ) नित्यम्	अनित्यम्			

6. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

उत्तरम्-(क) निजः	स्वकीयः	(ख)	कुटुम्बः	परिवारः
(ग) आत्मवशः	स्ववशः	(घ)	परवशः	पराधीनः
(ड) अनृतम्	असत्यम्	(च)	वसुधा	धरा
(छ) कुम्भः	घटः			

7. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्-(क) दुर्बलस्य बलम्।

अनुवाद-दुर्बल का बल राजा होता है, बच्चों का बल रोना, मूर्ख का बल मौन (चुप) रहना है तो चोरों का बल झूठ बोलना होता है।

(ख) सर्वं दुःखयोऽपि॥

अनुवाद-सबसे बड़ा दुख दूसरे के अधीन होना है तथा सबसे बड़ा सुख स्वयं को वश में रखना है, यही सुख-दुःख जीवन के लक्षण हैं।

दशमः पाठः

10

पर्यावरण-प्रदूषणम्

अध्यास्तकठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्-(क) सर्वेषां जनानां चिन्तायाः कारणमस्ति पर्यावरण-प्रदूषणम्।
 (ख) प्रदूषण-निवारणाय मुख्योपायं वृक्षारोपणम् अस्ति।
 (ग) यः अस्मान् परिवृणोति तत् पर्यावरणम् इति।
 (घ) भूमिः, वायु, जलं धनिश्च इत्येतानि प्रदूषणस्य क्षेत्राणि सन्ति।
 (ड) वर्यं वनचरान् जलचरान् च हिंसामः।
 (च) प्रदूषण निवारणेन जलजीवनं सुखकरं भविष्यति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- | | |
|---|---|
| उत्तरम्-(क) परिवृणोति अस्मान् इति पर्यावरणम्। | (ख) वायो गैस इति नाम्ना बहूनां तत्त्वानां मिश्रणम् अस्ति। |
| (ग) प्रदूषण-निवारणाय मुख्योपायं वृक्षारोपणम् अस्ति। | (घ) वर्यं वनचरान् जलचरान् च हिंसामः। |
| (ड) पर्यावरणे प्रदूषणस्य चत्वारि क्षेत्राणि सन्ति। | |

3. निम्नलिखित क्रियापदों के धातु, लकार, वचन व पुरुष बताइए-

उत्तरम्-	क्रिया पद	धातु	लकारः	वचनम्	पुरुषः
(क)	हिंसामः	हिंस्	लट्	बहुवचनम्	उत्तमः
(ख)	सन्ति	अस्	लट्	बहुवचनम्	प्रथमः
(ग)	भवेत्	भू	विधिलिङ्	एकवचनम्	प्रथमः
(घ)	भविष्यति	भू	लृट्	एकवचनम्	प्रथमः
(ङ)	भवति	भू	लट्	एकवचनम्	प्रथमः

4. निम्नलिखित पदों की सन्धि कीजिए-

उत्तरम्- मुख्य + उपायम् = मुख्योपायम्
अवस्थायाम् + एव = अवस्थायामेव

वृक्ष + आरोपणम् = वृक्षारोपणम्
अवश्यम् + एव = अवश्यमेव

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) अस्माभिः वृक्षाणां कर्तनं रोधनीयम्। (ख) प्रदूषणे जनजीवनं कष्टकरं भवति।
(ग) अस्माभिः वृक्षाः रोपणीयाः। (घ) प्रदूषणे अनेके रोगाः भवन्ति।
(ड) प्रदूषणं चतुर्विधः भवति।

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) जिससे पर्यावरण-प्रदूषण होता है।
(ख) प्रदूषण के निवारण के लिए मुख्योपाय वृक्षारोपण है।
(ग) जो हमें चारों ओर से घेरे रहता है, वह पर्यावरण कहलाता है।
(घ) पर्यावरण में प्रदूषण के चार क्षेत्र हैं।
(ङ) हम वृक्षारोपण करें।

7. निम्नलिखित शब्दों को अपने शब्दों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) वनचरा: - बहवः वनचरा: हिंसकाः भवन्ति।
(ख) जलचरा: - कूर्मः मकरः, कर्कटः इत्यादयः जलचरा: सन्ति।
(ग) प्राणिनः - अस्यां प्रकृतौ बहवः विविधाः प्राणिनः निवास सन्ति।
(घ) वृक्षाणाम् - पर्यावरण सन्तुलनाय वृक्षाणां संरक्षणं संवर्द्धनम् अत्यावश्यकम् अस्ति।
(ङ) परिष्कृतः: - वाहनानां धूम्रः परिष्कृतः स्यात्।

8. याद कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

सुकादशः पाठः

11

उद्यानश्चमणम्

अश्यास्कृष्टी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (क) उद्याने आम्राणां, कदलीफलानां 'जम्बू फलानां, सीता फलानां तू' तानां च वृक्षाः सन्ति।

- (ख) वृक्षाः स्वच्छं वातावरणं सृजन्ति।
 (ग) मालाकारः आम्राणि कोष्ठात् आनयति।
 (घ) मालाकारस्य उद्यानम् उष्णप्रदेशे स्थितः अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) वयं भवतः उद्यानम् आगच्छामः।
 (ख) अहं यदि शक्ष्यामि तर्हि उत्तरं दास्यामि।
 (ग) अधुना तु आम्राणि कदलीफलानि च पक्वानि सन्ति।
 (घ) शिक्षकः मालाकाराय पञ्चपञ्चाशत् रुप्यकाणि यच्छति।
 (ङ) छात्राः कूपं प्रति गच्छन्ति।

3. निम्नलिखित पदों में सन्धि-विच्छेद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) यथेच्छम् = यथा + इच्छम्
 (ग) जीवनोपयोगी = जीवन + उपयोगी
 (घ) तथैव = तथा + एव

- (ख) स्थितोऽस्ति = स्थितः + अस्ति
 (घ) चापि = च + अपि

4. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) अधिकाः = अधिक भवतः उद्याने केषां फलानां वृक्षाः अधिकाः सन्ति?
 (ख) वृक्षाः = पेड़ एते वृक्षाः छायाप्रदाः सन्ति।
 (ग) फलस्य = फल का मह्यं नारङ्गफलस्य रसं देहि।
 (घ) मनोहराणि = सुंदर एतानि पुष्पाणि अति मनोहराणि सन्ति।
 (ङ) मूल्यम् = मूल्य एतेषां फलानां कियत् मूल्यम्?

5. सही उत्तर पर (✓) लगाइए-

- उत्तरम्- (क) भ्रमणाय (ख) देहरादूने

6. निम्नलिखित वाक्यों को लड़् लकार में परिवर्तित कीजिए-

- उत्तरम्- (क) वृक्षाः छायाम् अयच्छन्। (ख) अलीचिकाः विशेषतः देहारादने अभवन्।
 (ग) छात्राः कूपं प्रति अगच्छन्। (घ) अहम् उत्तरम् अयच्छम्।
 (घ) सः सर्वेषु छात्रेषु आम्राणि वितरणम् अकरोत्।

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) मनुष्याः प्रतिदिनम् अस्मिन् उद्याने भ्रमणाय आगच्छन्ति। (ख) अलीचिकाः अति मधुराणि सन्ति।
 (ग) सेबफलानि शीते आगच्छन्ति। (घ) अस्माभिः फलानि प्रतिदिनं खादनीयानि।
 (ङ) वृक्षाः अस्मभ्यं छायां यच्छन्ति।

द्वादशः पाठः

12

संरकृत-संगणकञ्च

अञ्जयस्कृष्टी

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) संस्कृत पाणिनीयं व्याकरणं गौरवभूतम्।

- (ख) तत्र कूटशब्दानां पारिभाषिक शब्दानां वा बाहुल्यं वर्तते।
- (ग) संस्कृते समृद्धं साहित्यं वर्तते।
- (घ) संस्कृतभाषा, सर्वासां भारतीयानां भाषाणाम् आधारभूता वर्तते।
- (ङ) दाक्षिणात्य भाषास्वाषि संस्कृत-शब्दानां बाहुल्यं वर्तते।

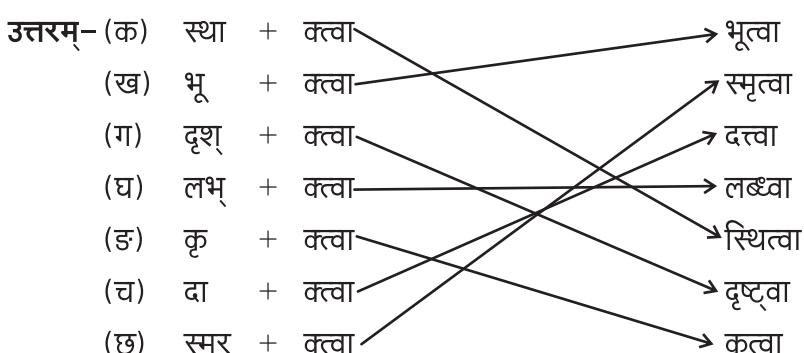
2. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- | | | |
|----------|----------------|--|
| उत्तरम्- | (क) उपलभ्यन्ते | - संस्कृत भाषायां विज्ञान-सम्बद्धाः ग्रन्थाः उपलभ्यन्ते। |
| | (ख) व्याकरणम् | - पाणिनीयं व्याकरणम् अतीव गौरवभूतम् अस्ति। |
| | (ग) ज्योतिषम् | - संस्कृत भाषायां ज्योतिष् ग्रन्थः विशिष्टं स्थानं स्थापयति। |
| | (घ) वर्गीकरणम् | - कम्प्यूटर कृते व्याकरणस्य वर्गीकरणम् आवश्यकं वर्तते। |
| | (ङ) भाषाणाम् | - संस्कृत भाषा भारतीयानां भाषाणां आधारभूता वर्तते। |
| | (च) ग्रन्थाः | - अस्यां भाषायाम् अनेके ग्रन्थाः सन्ति। |

3. निम्नलिखित शब्द रूपों के लिंग विभक्ति एवं वचन पहचानिए-

उत्तरम्-	शब्द रूप	लिंग	विभक्ति:	वचनम्
	(क) शब्दानाम्	पुलिलङ्गः	षष्ठी	बहुवचनम्
	(ख) भारतीयाः	पुलिलङ्गः	प्रथमा	बहुवचनम्
	(ग) व्याकरणात्	नपुंसकलिलङ्गः	पञ्चमी	एकवचनम्
	(घ) निर्माणे	पुलिलङ्गः	सप्तमी	एकवचनम्
	(ङ) भाषाणाम्	स्त्रीलिलङ्गः	षष्ठी	बहुवचनम्
	(च) संस्कृतस्य	पुलिलङ्गः	षष्ठी	एकवचनम्

4. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-



5. उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्-	शब्दम्	शब्देन	शब्दाभ्याम्	शब्दैः
	(क) ज्योतिषम्	ज्योतिषेण	ज्योतिषाभ्यम्	ज्योतिषैः
	(ख) आयुर्वेदम्	आयुर्वेदेन	आयुर्वेदाभ्याम्	आयुर्वेदैः
	(ग) ध्वनिविज्ञानम्	ध्वनिविज्ञानेन	ध्वनिविज्ञानाभ्याम्	ध्वनिविज्ञानैः
	(घ) व्याकरणम्	व्याकरणेन	व्याकरणाभ्याम्	व्याकरणैः
	(ङ) कूटशब्दम्	कूटशब्देन	कूटशब्दाभ्याम्	कूटशब्दैः
	(च) गौरवम्	गौरवेण	गौरवाभ्याम्	गौरवैः

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) संस्कृत को कम्प्यूटर के लिए उपयोगी करने के लिए ये कार्य करने हैं।
(ख) आवश्यकतानुसार एक धातु की सौं शब्दों की बहुलता है।
(ग) कूट शब्दों के निर्माण में भी इसका बहुतायत प्रयोग है।
(घ) जो संस्कृत की कम्प्यूटर की उपयोगिता को सिद्ध करते हैं।
(ङ) वहाँ सभी विज्ञान से संबंधित ग्रंथ उपलब्ध हैं।

ब्रयोदशः पाठः

13

श्रवणकुमारः कथा

अध्यास्तकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

- उत्तरम्- (क) सम्पूर्णा सृष्टिः चतुर्भागेषु विभक्ता अस्ति।
(ख) श्रवण कुमारः स्व अन्धयोः मातुः पितुश्च सेवां करोति स्म।
(ग) सुरम्यं वायुं प्राप्य, सरयूनद्यास्तरंग ध्वनिश्च आकर्ण्य पितरौ ज्ञायतां यत् समीपस्थः काऽपि नदी अस्ति।
(घ) दशरथः अयोध्या नगर्याः राजा आसीत्।
(ङ) राज्ञः पदचापं श्रुत्वा पितरौ अवदताम् “पुत्र! कथं विलम्बेन आगच्छः।”

2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) तेषु युगेषु त्रेतायुगे एकः पितृभक्तः मातृभक्तश्च बालकः आसीत्।
(ख) तां श्रुत्वा श्रवणकुमारः तौ स्कन्धाभ्यां तीर्थस्थानानि अनयत।
(ग) यदा श्रवण कुमारः जलम् आनेतुं गतः आसीत्, तस्मिन् समये राजा आखेटनाय भ्रमतः घटशब्दं च श्रुत्वा विचारयत्।
(घ) क्षम्यताम्! अज्ञानात् बाणेन युक्योः निर्दोषः पुत्रः मृतः।
(ङ) “यथा आवां पुत्रवियोगेन प्राणान् त्यज्यावः तथैव त्वमपि मृत्युं प्राप्स्यसि” इति।

3. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- | | |
|-----------------------|--|
| उत्तरम्- (क) निर्दोषः | - मान्यवर! मम बाणेन तव निर्दोषः पुत्र हतः। |
| (ख) चतुर्भागेषु | - एषाः सृष्टि चतुर्भागेषु विभक्ता अस्ति। |
| (ग) अपराधिनैव | - राजा दशरथः अपराधिनैव तयोः समक्षे उपस्थितः। |
| (घ) शापम् अददात् | - तौ वृद्धौ राजानं शापम् अददताम्। |
| (ङ) पिपासितौ | - पुत्र! आवां पिपासितौ स्वः, किञ्चित् जलं देहि। |
| (च) वृद्धौ | - ततः तौ वृद्धौ स्वर्गं प्रति अगच्छताम्। |
| (छ) मरणम् | - स्वपुत्रस्य मरणं श्रुत्वा सः अति दुःखितः अभवत्। |
| (ज) तथैव | - यथा आवां पुत्रवियोगेन प्राणान् त्यजावः तथैव त्वमपि त्यक्षसि। |

4. निम्नलिखित शब्द रूपों के लिंग, विभक्ति एवं वचन पहचानिए-

उत्तरम्-	शब्द रूप	लिंग	विभक्ति:	वचनम्
(क)	आखेटनाय	नपुंसकलिङ्गः	चतुर्थी	एकवचनम्
(ख)	स्वपुत्रस्य	पुलिङ्गः	षष्ठी	एकवचनम्
(ग)	वृद्धौ	पुलिङ्गः	प्रथमा	द्विवचनम्
(घ)	बाणेन	नपुंसकलिङ्गः	तृतीया	एकवचनम्
(ङ)	मरणम्	नपुंसकलिङ्गः	प्रथमा	एकवचनम्
(च)	संस्कृतस्य	पुलिङ्गः	षष्ठी	एकवचनम्

5. निम्नलिखित पदों की सन्धि कीजिए-

उत्तरम्-	(i) कः + अपि = कोऽपि	(ii) शापम् + अददात् = शापमददात्
	(iii) निः + दोषः = निर्दोषः	(iv) जलम् + आदाय = जलमादाय
	(v) बाणम् + इदम् = बाणमिदम्	(vi) बाणम् + अक्षिपत् = बाणमक्षिपत्

(ख) निम्नलिखित पदों की सन्धि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्-	(i) चतुर्भागेषु = चतुर् + भागेषु	(ii) कालादेव = कालात् + एव
	(iii) आहतमानम् = आहत + मानम्	(iv) तथैव = तथा + एव
	(v) अपराधिनैव = अपराधिन् + एव	(vi) तीर्थटनम् = तीर्थ + अटनम्

6. निर्देश के अनुसार धातु रूप लिखिए-

उत्तरम्-	(क) आसीत्	आस्ताम्	आसन्
	(ख) करवाणि	करवाव	करवाम
	(ग) अच्छत्	अगच्छताम्	अगच्छन्
	(घ) पास्यामि	पास्यावः	पास्यामः
	(ङ) गच्छसि	गच्छथः	गच्छथ

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्-	(क) सम्पूर्णा सृष्टिः चतुर्भागेषु विभक्ता अस्ति।
	(ख) तस्य पितरौ अन्धौ आस्ताम्।
	(ग) राजा दशरथः शब्दभेदी बाणम् अचालयत्।
	(घ) आवां पिपासितौ स्वः, जलम् आनय।
	(ङ) मम पितरौ पिपासितौ स्तः, शीघ्रं जलमादाय आगच्छ।

8. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्-	(क) श्रवण कुमार उनकी छाया के समान सेवा करता था।
	(ख) श्रवण जब घड़े को जल में डुबोता है।
	(ग) दशरथ की तीन नारियाँ थीं।
	(घ) दशरथ के बाण से श्रवण कुमार मारा गया।
	(ङ) उनके पिता का नाम अज था।

परोपकारी वृक्षाः

अञ्ज्यास्त्कृष्टी

1. प्रश्नों के उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए-

- उत्तरम्- (क) मृगः वृक्षस्य छायायां सुप्तः।
 (ग) कोटरः कीटैः आवृतः।
 (ड) भ्रमराः वृक्षस्य कुसुमानां रसं पिबन्ति।

- (ख) शकुन्तनिवहैः विष्वग् छदा� विलुप्ताः।
 (घ) परोपकारी वृक्षः सर्वरूपैः सुखदरूपेण श्लाघ्यः अस्ति।

2. निर्देश के अनुसार मेल कीजिए-

- उत्तरम्- नद्यः परोपकाराय वहन्ति।
 वारिवाहाः परोपकाराय वर्षन्ति।
 इदं शरीरं परोपकाराय अस्ति।

- वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति।
 सज्जनाः परोपकाराय सन्ति।
 समीरः परोपकाराय वहति।

3. कोष्ठक में उचित पद चुनकर रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए-

- उत्तरम्- (क) कपिकुलैः प्रश्रयः स्कन्धे कृतः।
 (ग) वृक्षस्य छायायां मृगः सुप्तः।
 (ड) परोपकाराय वृक्षाः फलन्ति।

- (ख) विश्रब्धं कुसुमं मधुपैः निपीतम्।
 (घ) परोपकाराय इदं शरीरम् अस्ति।

4. सम्प्रदान की विभक्ति पद से वाक्य पूरा कीजिए-

- उत्तरम्- (क) कृष्णः दुर्जनाय क्रुद्यति।
 (ग) मुनि शिष्याय उपदिशति।
 (ड) सः खादनाय फलम् इच्छति।

- (ख) चौरः सज्जनाय द्रुहयति।
 (घ) सः स्नानाय गङ्गा गच्छति।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) समाजसेवायाः भावना परोपकारे भवति।
 (ग) अस्माभिः स्वकर्तव्यं पालनीयम्।
 (ड) अस्माभिः परोपकारः करणीयः।

- (ख) वृक्षाः परोपकारं कुर्वन्ति।
 (घ) प्रकृतिः परोपकाराय जीवति।

6. तालिका को पूरा कीजिए-

उत्तरम्- धातु तत्त्वत्	प्रत्यय	अनीयर प्रत्यय
स्था	स्थातत्व्य	स्थानीय
याच्	याचितत्व्य	याचनीय
जीव्	जीवितत्व्य	जीवनीय
पात्	पातत्व्य	पानीय
कृ	कर्तत्व्य	करणीय
पठ्	पठितत्व्य	पठनीय
ज्ञा	ज्ञातत्व्य	ज्ञानीय
वन्द	वन्दितत्व्य	वन्दनीय

श्रु	श्रोतव्य	श्रवणीय
जि	जेतव्य	जयनीय
ग्रह	ग्रहीतव्य	ग्रहणीय
क्षम्	क्षन्तव्य	क्षमनीय

7. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) परोपकाराय शरीरम्।

अनुवाद-वृक्ष परोपकार के लिए फलते हैं, नदियाँ परोपकार के लिए बहती हैं। गायें परोपकार के लिए दुहती हैं, यह शरीर परोपकार के लिए है।

(ख) भवन्ति परोपकारिणाम्॥

अनुवाद-फलों के उत्पन्न होने पर पेड़ नम्र हो जाते हैं अर्थात् झुक जाते हैं, जल से पूरित बादल झुकते हैं अर्थात् नम्र होकर बरसते हैं, सज्जन धन-संपत्ति के आने पर नम्र हो जाते हैं, परोपकारियों का स्वभाव ऐसा ही है।

(ग) छाया परः॥

अनुवाद-जिसकी छाया में पशु सोते हैं, पक्षियों के समूह से व्याप्त जिसकी छत विलुप्त-सी हो जाती है, जिसका कोटर (खोखल) कीड़े-मकोड़ों से घिरा हआ है, जिसकी शाखा का आश्रय लेकर बंदरों का समूह रहता है, जिसके पूलों का रस मधुमक्खियाँ अथवा भौंरे निर्भय होकर पीती, पीते हैं, जो इस पृथक् पर सब रूपों में सुख देने वाला है, ऐसा ही पेड़ प्रशंसनीय है।

पञ्चदशः पाठः

15.

अपठित गद्यांश-बोधम्

अध्यात्मकृष्टी

(क) 1. एक पद में उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (i) भिक्षुकः (ii) रमेशस्य

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (i) रमेशस्य भार्या प्रकोष्ठे आसीत्। (ii) भिक्षुकः भिक्षां याचते।
 (iii) भिक्षुकः अवदत् यत् माते! मद्यम् एकां करपटिकां देहि।

3. यथा निर्देश उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (i) 'भिक्षुकाय' शब्द का प्रयोग इसलिए किया गया है क्योंकि इसमें किसी के द्वारा कोई चीज माँगी जा रही है।
 (ii) सप्तमी, एकवचन।

(ख) 1. एक पद में उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (i) उद्याने। (ii) मधु संग्रहम्। (iii) भ्रमन्ति।

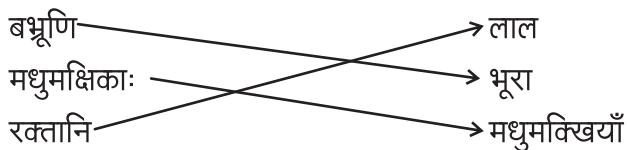
2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (i) उद्यानं कपिलपुरे एकस्मिन् देवालये अस्ति। (ii) विविध वर्णानि पुष्पाणि सन्ति।
 (iii) भ्रमराः पुष्पेषु भ्रमन्ति।

3. स्तम्भ 'क' का स्तम्भ 'ख' से मिलान कीजिए-

उत्तरम्- स्तम्भ 'क'

स्तम्भ 'ख'



4. यथा निर्देश उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (i) उद्यानम्-प्रथम विभक्ति, एकवचनम् तथा श्रमराः-प्रथमा विभक्ति बहुवचनम्

(ii) क्योंकि यहाँ कोई वस्तु अलग होने का भाव प्रकट कर रही है, जबकि तृतीया विभक्ति का प्रयोग किसी के द्वारा काम को सिद्ध होने अथवा किसी साधन के द्वारा कहीं आने-जाने में होता है।

(ग) 1. एक पद में उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (i) पितृव्यः।

(ii) मातुलानी।

(iii) पितृव्या।

2. रंगीन पदों के अर्थ लिखिए।

उत्तरम्- पितामही-दादी,

पितृव्यस्य-चाचा की,

प्रकारेण-प्रकार से,

मातुलः-मामा।

षोडशः पाठः

16

चन्द्रलीक-यात्रा

अङ्गास्तकृष्टी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (क) शरत् पूर्णिमायाः रात्रौ बालकः ताजमहल भवनं द्रष्टुं गतः।

(ख) तत्र सः चन्द्रिकायां ताजमहल भवनस्य सौन्दर्यम् अपश्यत्।

(ग) धर्वलां चन्द्रिकां दृष्ट्वा सः ताजमहल भवनस्य सौन्दर्यं द्रष्टुम् ऐच्छत्।

(घ) यक्षः तम् अपृच्छत् यत् त्वं किं वाऽछसि?

(ङ) अन्तरिक्षात् भूलोकस्य स्वरूपं चन्द्र इव अभासत्।

(च) चन्द्रतलं गत्वा बालकः तत्रत्य प्रस्तरखण्डानां सञ्चयम् अकरोत्।

(छ) यक्षः तत्र तम् अब्रवीत् यत् अस्मिन् लोके द्रव्याणां भारः भूतलस्य द्रव्याणां षष्ठांशः एव भवति, यतः अस्य लोकस्य आकर्षण शक्तिः अपि पृथिव्याः आकर्षण शक्तेः षष्ठांशः एव अस्ति। अत्र वायुमण्डलम् अपि नास्ति। अतएव वयम् ओषजनपेटिकाम् आदाय एव अत्रगच्छामः। इमां मञ्जूषां गृहाणा। अस्यां त्वं प्रस्तरखण्डान् रजः कणान् सञ्चितं कुरु। एभिः तव लोकस्य वैज्ञानिकाः अस्य रहस्यानि ज्ञास्यन्ति।

(ज) सहसा यानस्य शब्दं श्रुत्वा सः भीतः।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) धर्वला चन्द्रिका सर्वत्र विराजते स्म।

(ख) एकः यक्षः ममाग्रे समागतः।

(ग) अहं चन्द्रलोकं गन्तुम् इच्छामि।

(घ) यक्षस्य यानं विचित्रैः यन्त्रैः निर्मितम् आसीत्।

(ङ) यक्षेण सह मम यात्रा सुखदा अभवत्।

3. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सौन्दर्यम् - धवल चन्द्रिकायां ताजमहल भवनस्य सौन्दर्यम् अपूर्व दृश्यते।
 (ख) दुष्करम् - चल त्वं मया सह नैतत् दुष्करम्।
 (ग) मंजूषा - एषा मञ्जूषा नय, अस्यां प्रस्तरखण्डान् स्थापय।
 (घ) अन्वभवत् - सः ताजमहल भवनस्य सौन्दर्य दृष्ट्वा महत् आननदम् अन्वभवत्।
 (ड) उपदिशामि - यथा अहम् उपदिशामि तथैव त्वया करणीयम्।
 (च) पेटिका - एषा ओषजन-पेटिका नय।

4. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

- | | | | |
|-------------------------|------------------|-------------------|---------------------|
| उत्तरम्- (क) समुत्सुकम् | = सम् + उत्सुकम् | (ख) प्रस्तखण्डान् | = प्रस्तर + खण्डान् |
| (ग) निमग्नश्च | = निमग्नः + च | (घ) सौन्दर्येण | = सौन्दर्य + एण |
| (ड) स्वयानेन | = स्व + यानेन | | |

5. निम्नलिखित क्रियापदों के पुरुष व वचन लिखिए-

उत्तरम्-	क्रियापद	पुरुष	वचन
(क)	अगच्छम्	उत्तमः	एकवचनम्
(ख)	प्रायच्छत्	प्रथमः	एकवचनम्
(ग)	गच्छाव	उत्तमः	द्विवचनम्
(घ)	गच्छामः	उत्तमः	बहुवचनम्
(ड)	क्रन्दति	प्रथमः	एकवचनम्

6. दिए गए वाक्यों को लट् लकार में बदलिए-

- उत्तरम्- (क) मम हृदयः चन्द्रलोकस्य सौन्दर्य विलोक्य आश्चर्यचकितः भवति।
 (ख) यक्षः मह्यं विचित्राणि वस्त्राणि प्रददाति।
 (ग) तदाहं शिष्यः इव तम् अन्वगच्छामि।
 (घ) अहं ताजमहल भवनस्य अपूर्वा शोभां द्रष्टुं गच्छामि।
 (ड) वयम् ओषजन पेटिकाम् आदाय एव अत्रागच्छामि।

7. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- | | |
|--|---|
| उत्तरम्- (क) यह शरत् पूर्णिमा की रात्रि थी। | (ख) सफेद चाँदी सब जगह सुशोभित हो रही थीं। |
| (ग) चाँदनी की रात में सौन्दर्य रमणीय हो गया। | (घ) इस समय में घर से ताजमहल भवन को देखने गया। |
| (ड) चाँदनी में उस भवन के सौंदर्य को देखकर मैंने बहुत अधिक आनंद अनुभव किया। | |

8. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- | | |
|--|---|
| उत्तरम्- (क) आसीत् इयं शरत् पूर्णिमायाः रात्रिः। | (ख) रात्रौ चन्द्रमसः धवल चन्द्रिका सुशोभते स्म। |
| (ग) सहसा एकः यक्षः मम पाशर्वे आगच्छत्। | (घ) अहं तेन सह चन्द्रलोकम् अगच्छम्। |
| (ड) तत्र वस्तुनां भारः अत्यल्पम् आसीत्। | (च) अहं तत्र अनेकान् प्रस्तरखण्डान् अपश्यम्। |

8. याद कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

अञ्ज्यास्तकृष्टी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्- (क) भारते हिन्दवः, मुस्लिमाः, क्राइस्टाः, बौद्धाः, जैनाः, पारसीकाः इत्यादयः वसन्ति।
 (ख) यदि देशे कुत्रापि संकटं भवेत् तर्हि तस्य निवारणं भारतीयानां कर्त्ता व्यम् अस्ति।
 (ग) यतोहि सा अस्मान् लालयति पालयति च।
 (घ) यतोहि एते अस्माकं सर्वान् मनोरथान् पूरयतः, अस्मान् लायतः, पालयतः तुष्यतः च।
 (ड) यतोहि वयं सर्वे भारतस्य तथैव अङ्गानि स्मः यथा अङ्गभेदेनापि शरीरम् एकमेव भवति।
 (च) “यह मेरा है, वह दूसरे का है, ऐसी गणना छोटे हृदय वाले ही करते हैं।” इत्यर्थः।

2. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) धर्माचारिणः - ये धर्माचारिणः भवन्ति ते सदैव सत्कार्यं कुर्वन्ति।
 (ख) आर्याणाम् - आर्याणां देशः आर्यावर्तः कथयते।
 (ग) कर्तव्यम् - अस्माकं सर्वेषां कर्तव्यम् अस्ति यत् स्वमातृभूम्यै प्राणानां बलिदानार्थमपि उद्यताः भवेम।
 (घ) सर्वेषाम् - भारतस्य कल्याणे सर्वेषां कल्याणम् अस्ति।
 (ड) अस्माकम् - अस्माकं भारतभूमिः सर्वश्रेष्ठा अस्ति।
 (च) अत्रैवोत्पन्ना - अनेके महापुरुषाः अत्रैवोत्पन्नाः अभवन्।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) परं ते सर्वे भारतीयाः सन्ति।
 (ख) सा सर्वप्रकारेण लालयति, पालयति तुष्यति च।
 (ग) तदा वयं सर्वे परस्परं भ्रातरः भगिन्यः वा स्मः।
 (घ) भारते अनेकानि मतानि, अनेके प्रदेशाः, पृथक्-पृथक् धर्माचारिणाः, विविध भाषा-भाषिणश्च वसन्ति।
 (ड) पर्वतराज हिमालय अस्माकं देशस्य उत्तरदिशि तिष्ठति।

4. निम्नलिखित में सन्धि-विच्छेद कीजिए-

- | | |
|---|--|
| उत्तरम्- (क) अत्रैवोत्पन्नाः = अत्रैव + उत्पन्नाः | (ख) सर्वेषामुन्नति = सर्वेषाम् + उन्नतिः |
| (ग) इत्यादयः = इति + आदयः | (घ) पूर्वजानामपि = पूर्वजानाम् + अपि |
| (ड) धर्माचारिणः = धर्म + आचारिणः | |

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- | | |
|---|--|
| उत्तरम्- (क) भारतः एकः विशालः देशः अस्ति। | (ख) ये भारते तिष्ठन्ति ते अस्माकं बान्धवः सन्ति। |
| (ग) वयं सर्वे भारतस्य पुत्राः पुत्रयश्च स्मः। | (घ) वयं विश्वबन्धुत्वस्य भावनायां विश्वसामः। |
| (ड) वयं परस्परे प्रेमपूर्वकेण तिष्ठेम। | |

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) भारतवर्ष हमारी जन्मभूमि है।

- (ख) वह हर प्रकार से हमारा लालन-पालन करती है और तुष्ट करती है।
- (ग) भूमि मेरी माता है, मैं पृथिवी का पुत्र हूँ।
- (घ) जिसके दक्षिण में सागर है और उत्तर में हिमालय पर्वत है।

अष्टादशः पाठः

18

सुआषितानि

अश्यास्कण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्- (क) वयं यादृशाः संस्काराः बालकेभ्यः प्रदास्यामः तादृशैव तैषां जीवनं निर्मिष्यते। समयानुसारं कुसंस्काराः सुसंस्काराः वा स्वप्रभावं दर्शयन्ति, फलं च यच्छन्ति। अतएव उक्तम्-‘यथा बीजः तथाङ्कुरः’ इति।
- (ख) दुर्जनस्य विषं सर्वाङ्गे तिष्ठति।
 - (ग) विमृश्यकारिणं गुणलुब्धं सम्पदः वृण्णुते।
 - (घ) संस्कृत वाणी सततं वाग्भूषणं भवति।
 - (ड) एषा सत्सङ्गति धिया जाडयं हरति, वाचि सत्यं सिञ्चति, मानोन्नति दिशति, पापम् अपाकरोति। चेतः प्रसादयति, कीर्तिं दिक्षु तनोति।
 - (च) सतां विभूतयः परोपकाराय भवन्ति।
 - (छ) परोपकारिणां स्वभावः विनम्रः भवति।
 - (ज) उत्तम जनाः विघ्नैः अपि हन्यमानाः स्वलक्ष्यं कार्यं वा समाप्ति पर्यन्तं न त्यजन्ति।
 - (झ) धीराः न्यायात् पथः पदमेकमपि न विचलन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) पिबन्ति नद्यः स्वयमेव नाम्भः।
स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः॥
नादन्ति सस्यं खलु वारिवाहाः।
परोपकाराय सतां विभूतयः॥
- (ख) निन्दन्तु नीति निपणः यदि वा स्तुवन्तु।
लक्ष्मी समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्॥
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा।
न्यायात् पथः प्रवचिलन्ति पदं न धीराः॥

3. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) भूषणम् - वाण्याः भूषणं कदापि क्षयं न याति।
(ख) शास्त्रम् - यस्य प्रज्ञा न भवति, शास्त्रम् अपि तस्य किमपि न कर्तुं शक्यते।
(ग) लोचनम् - तस्य लोचमन् अति सुन्दरतम् अस्ति।
(घ) केयूरम् - कमपि पुरुषं केयूरं न भूषयति।
(ड) अङ्कर - यथा बीजः तथा अङ्करः।
(च) वाणी - वाणी एवं पुरुषं समलङ्करोति।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) नद्यः स्वयं जलं न पिबन्ति।
(ग) उत्तम जनाः विघ्नैरपि स्व सङ्कल्पं न परित्यजन्ति।
(ड) संस्कृत एका सरसा समृद्धा च भाषा अस्ति।
- (ख) तरवः स्वयं फलानि न खादन्ति।
(घ) संस्कृतः अस्मान् संस्करोति।

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- बुद्धि की जड़ता को हरती है, वाणी की सत्यता को सींचती है, सम्मान में वृद्धि करती है, और पापों को दूर करती है।

नवदशः पाठः

19.

दथालुः विक्रमः

अश्यास्तकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

- उत्तरम्- (क) कामधेनुः राज्ञः इन्द्रस्य धेनुः आसीत् या सर्वाः कामनाः पूरयति स्म।
 (ख) कामधेनुः अतीव दुर्बलं गोरूपं धृत्वा मृत्युलोकम् अगच्छत्।
 (ग) इन्द्रस्य सभायाम् आगत्य नारदः अकथयत् यत् सम्पूर्णं पृथ्वीमण्डले विक्रमसदृशः कीर्तिमान्, परोपकारी, महाशक्ति सम्पन्नः राजा नास्ति। सः यत् कथयति तद् एवं सः करोति। तस्य मनसि यद् तिष्ठति वाचा तत् तथैव वदति।
 (घ) विक्रमः कीर्तिमान् परोपकारी, महाशक्ति सम्पन्नः नृपः आसीत्।
 (ङ) कामधेनुः अतीव दुर्बलं गोरूपं धृत्वा मृत्युलोकम् अगच्छत्।
 (च) विक्रमस्य दान, दया, धैर्य आदि गुणान् परीक्षितुं कामधेनुः मृत्युलोकम् अगच्छत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) मम कथनं कदापि निष्फलं न भवति। (ख) नृपः एनां तां धेनुं रक्षान् तत्रैव स्थितः।
 (ग) यः कामधेनुं खादितुं तत्परः आसीत्। (घ) तत्र नारदः अपि अतिष्ठत्।
 (ङ) यत् तस्य मने तिष्ठति वाचा तत् तथैव वदति। (च) भो नृप! अहं कामधेनुः अस्मि।
 (छ) सा नृपेण सह अगच्छत्।

3. निम्नलिखित में सन्धि-विच्छेद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) परोपकारः पर + उपकारः
 (ख) सूर्योदयः सूर्य + उदयः
 (ग) निशावसाने निशा + अवसाने
 (घ) कातरोक्तिः कातर + उक्तिः
 (ङ) नास्ति न + अस्ति
 (च) इत्युक्तवा इति + उक्त्वा

4. नीचे लिखे शब्दों में मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग-अलग कीजिए-

उत्तरम्-	शब्द	मूलशब्द	प्रत्यय
(क)	श्रुत्वा	श्रु	क्त्वा
(ख)	धृत्वा	धृ	क्त्वा
(ग)	उत्थापयितुम्	उत्थापय्	तुमुन्
(घ)	परीक्षितुम्	परीक्षा	तुमुन्
(ङ)	दृष्ट्वा	दृश्	क्त्वा
(च)	गतः	गम्	क्तः
(छ)	उक्त्वा	ऊच्	क्त्वा

5. निम्नलिखित शब्दों में विभक्ति व वचन बताइए-

उत्तरम्-	शब्द	विभक्ति:	वचनम्
(क)	सुरनगर्याम्	सप्तमी	एकवचनम्
(ख)	तेन	तृतीया	एकवचनम्
(ग)	कामधेनुम्	द्वितीया	एकवचनम्
(घ)	भूमण्डले	सप्तमी	एकवचनम्
(ङ)	वचनेन	तृतीया	एकवचनम्
(च)	गुणान्	द्वितीया	बहुवचनम्
(छ)	पङ्के	सप्तमी	एकवचनम्
(ज)	स्वर्गात्	पञ्चमी	एकवचनम्

6. नीचे लिखे धातु रूपों में लकार, पुरुष व वचन बताइए-

उत्तरम्-	शब्दः	लकारः	पुरुषः	वचनम्
(क)	अकथयत्	लङ्	प्रथमः	एकवचनम्
(ख)	करोति	लट्	प्रथमः	एकवचनम्
(ग)	अगच्छत्	लङ्	प्रथमः	एकवचनम्
(घ)	आगच्छति	लट्	प्रथमः	एकवचनम्
(ङ)	अस्ति	लट्	प्रथमः	एकवचनम्
(च)	गच्छ	लोट्	मध्यमः	एकवचनम्

7. संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) एकदा सुरनगर्यमि इन्द्रः सिंहासने उपविष्टः आसीत्। (ख) तत्र नारदोऽपि अतिष्ठत्।
 (ग) हे राजन्। अहं कामधेनुः अस्मि। (घ) सा नृपेण सह अगच्छत्।

8. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) राजा उस गाय की रक्षा करते हुए वहीं रहा।
 (ख) जो कामधेनु को खाने के लिए तैयार था।
 (ग) जो उसके मन में रहता है, वाणी से वही बोलता है।

विंशतिः पाठः

20.

वीरोऽभिमन्युः

अश्यास्तकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

- उत्तरम्- (क) भीष्मनन्तरं द्रोणाचार्यः सेनापतिः अभवत्। (ख) महाभारतस्य युद्धः अष्टादश दिनानि प्राचलत्।
 (ग) सर्वप्रथमः कौरवस्य सेनापतिः पितामहः भीष्मः आसीत्। (घ) पञ्चदशो दिवसे गुरु द्रोणाचार्यः वीरगतिं प्राजोत्।
 (ङ) अभिमन्युः अर्जुनस्य पुत्रः आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) पितामहः भीष्मः सेनापतिः अभवत्।
 (ग) सर्वप्रथमः पितामहः भीष्मः सेनापतिः अभवत्।
 (ड) द्रोणाचार्यः चक्रव्यूहम् अरचयत्।
- (ख) महाराजा युधिष्ठिरः अतीव व्याकुलः अभवत्।
 (घ) सः पञ्चदिनानि सेनापतिः आसीत्।

3. नीचे लिखे शब्दों में विभक्ति व वचन बताइए-

उत्तरम्-	शब्दः	विभक्तिः	वचनम्
	(क) महाभारतस्य	षष्ठी	एकवचनम्
	(ख) एकादशे	सप्तमी	एकवचनम्
	(ग) प्राप्ते	सप्तमी	एकवचनम्
	(घ) युद्धाय	चतुर्थी	एकवचनम्
	(ड) पाण्डवपक्षे	सप्तमी	एकवचनम्
	(च) अतीव पराक्रमेण	तृतीया	एकवचनम्

4. नीचे लिखे वाक्यों को शुद्ध कीजिए-

- उत्तरम्- (क) पितामहः भीष्मः सेनापतिः अभवत्।
 (ग) कर्णः दुर्योधनस्य मित्रम् आसीत्।
 (ख) अभिमन्युः अर्जुनस्य पुत्रः आसीत्।
 (घ) अर्जुनं विना पाण्डवपक्षे कोऽपि अन्यः चक्रव्यूहभेदं न अजानात्।

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) हम सभी जानते हैं।
 (ग) सर्वप्रथम पितामह भीष्म सेनापति हुए।
 (ख) (घ) महाराज युधिष्ठिर व्याकुल हो गए।
 (ड) वह चक्रव्यूह को भेदने की विधि जानता था।
 ग्यारहवें दिन द्रोणाचार्य सेनापति हुए।

6. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- (क) विजयश्री - यदि अर्जुनः अन्यत्र गच्छेत् तर्हि तव विजयश्री नूनं भविष्यति।
 (ख) प्रस्थानम् - अभिमन्यु युद्धाय प्रस्थानम् अकरोत्।
 (ग) वीरगतिम् - पञ्चदशे दिवसे द्रोणाचार्योऽपि वीरगतिं प्राप्नोत्।
 (घ) कदाचित् - चल शीघ्रं प्रस्थानं कुरु कदाचित् सः अत्र आगच्छेत्।
 (ड) अतीव - अभिमन्युः अतीव पराक्रमेण युद्धमकरोत्।

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सर्वप्रथमः कौरवस्य सेनापतिः पितामहः आसीत्।
 (ख) द्रोणाचार्यः पञ्चदिवसानां सेनापतिः आसीत्।
 (ग) अभिमन्युः चक्रव्यूहं भेदन-विधिं अजानात्।
 (घ) अभिमन्युः वीरगतिं लद्ध्वा अमरोऽभवत्।

8. नीचे दिए शब्दों में लकार, पुरुष व वचन लिखिए-

उत्तरम्-	शब्दः	लकारः	पुरुषः	वचनम्
	(क) अभवत्	लङ्	प्रथमः	एकवचनम्
	(ख) आसीत्	लङ्	प्रथमः	एकवचनम्
	(ग) भवेत्	विधिलिङ्	प्रथमः	एकवचनम्
	(घ) अकरोत्	लङ्	प्रथमः	एकवचनम्
	(ड) गच्छेयु	विधिलिङ्	उत्तमः	बहुवचनम्

स्क्रिंशति: पाठ:

21

निमन्त्रणपत्रम्

अध्यास्कृष्टी

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्- (क) विवाह संस्कारः 25/01/20.... दिनाङ्के सुनिश्चितोऽस्ति।
 (ख) विवाहः वाराणसी नगर्या भविष्यति।
 (ग) वरयात्रा प्रयोगे गृहस्थानाद् प्रस्थानं करिष्यति।
 (घ) देवेन्द्रस्य विवाहः कु० सुप्रियया सह सुनिश्चितः अस्ति।

2. अपने पिताजी को अपनी सफलता हेतु एक पत्र संस्कृत में लिखिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

द्वाविंशति: पाठ:

22

आरत आति आरती

अध्यास्कृष्टी

1. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक शब्द में लिखिए-

- उत्तरम्- (क) संस्कृतभाषा। (ख) सूक्तयः। (ग) श्रीमद्भगवतगीतायाः। (घ) विमानम्।

2. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लिखिए-

- उत्तरम्- (क) भारतशासनस्य मुद्रायां 'सत्यमेव जयते' इति अङ्गितमस्ति।
 (ख) जीवनबीमानिगमस्य चित्रे द्वयोः हस्तयोः मध्ये एकः दीपः प्रदर्शितः।
 (ग) वयं संस्कृत भाषायाः सूक्तयः आदर्श वाक्य-रूपेण पश्यामः।
 (घ) यतोहि अस्यविभागस्य कार्यं दिने रात्रौ च निरन्तरं चलति।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) संस्कृतभाषा भारतवर्षस्य संस्कार भाषा।
 (ख) जीवन बीमा निगमस्य चित्रे द्वयोः हस्तयोः मध्ये एकः दीपः अस्ति।
 (ग) 'धर्मचक्र-प्रवर्तनाय' संस्कृतवाक्यम् इति।
 (घ) भारतीय वायुसेनायाः चिह्ने रिमानं वर्तते।
 (ङ) वायुसेनायाः आदर्श वाक्यं संस्कृतभाषायाः गौरवगाथां प्रकटयति।

4. निम्नलिखित में सन्धि-विच्छेद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) चापि च + अपि

(ख)	आसनस्योपरि	आसनस्य	+	उपरि
(ग)	विद्या-मृतमश्नुते	विद्या	+	अमृतमश्नुते
(घ)	मुद्रायामङ्कितो-यम्	मुद्रायामङ्कितः	+	अयम्
(ङ)	नभः स्पृशम्	नभः	+	स्पृशम्

5. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

उत्तरम्-	(क) भारत शासनस्य राजचिह्नम्	→ (i) धर्मचक्र प्रवर्तनाय
	(ख) हरियाणा प्रदेशस्य राज्यचिह्नम्	→ (ii) अहर्निंशं सेवामहे
	(ग) जीवनबीमानिगमस्य चिह्नम्	→ (iii) सत्यमेव जयते
	(घ) डाकतारविभागस्य ध्येयवाक्यम्	→ (iv) योगः कर्मसु कौशलम्
	(ङ) वायुसेनायाः ध्येयवाक्यम्	→ (v) अयं निजः परोवेति
	(च) लोकसभाध्यक्ष आसनस्योपरि लिखितम्	→ (vi) नभः स्पृशं दीप्तम्
	(छ) लोकसभायां भितिकायां लिखितम्	→ (vii) योगक्षेमं वहाम्यहम्

6. विभक्ति के अनुसार वचन और रूप लिखिए-

उत्तरम्- विभक्ति:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	विद्या	विद्ये	विद्याः
द्वितीया	भाषाम्	भाषे	भाषाः
तृतीया	मुद्र्या	मुद्राभ्याम्	मुद्राभिः
चतुर्थी	शोभायै	शोभाभ्याम्	शोभाभ्यः
पञ्चमी	बीमायाः	बीमाभ्याम्	बीमाभ्यः
षष्ठी	गाथायाः	गाथयोः	गाथानाम्
सप्तमी	सभायाम्	सभयोः	सभासु
सम्बोधन	हे गीते!	हे गीते!	हे गीताः!

7. निम्नलिखित में पद-परिचय दीजिए-

उत्तरम्-	मूलशब्दः	विभक्तः	वचनम्
सैनायै	सेना	चतुर्थी	एकवचनम्
मुद्राणम्	मुद्रा	षष्ठी	बहुवचनम्
सभाम्	सभा	द्वितीया	एकवचनम्
गङ्गायाः	गङ्गा	पञ्चमी/षष्ठी	एकवचनम्
भाषाभिः	भाषा	तृतीया	बहुवचनम्
लतयोः	लता	षष्ठी/सप्तमी	द्विवचनम्
शिक्षाभ्यः	शिक्षा	चतुर्थी/पञ्चमी	बहुवचनम्

8. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्-
- (क) 'मैं दिन-रात सेवा करता हूँ' बहुत ही उपयुक्त है।
 - (ख) भारत में संस्कृत सुशोभित होती है।
 - (ग) भारतीय वायुसेना के चिह्न में विमान है।
 - (घ) 'धर्मचक्र के प्रवर्तन के लिए' संस्कृत वाक्य है।

(ङ) और नीचे 'अप्राप्त की प्राप्ति तथा प्राप्त की रक्षा का भार बहन करता हूँ।' ऐसा लिखा है।

9. संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) संस्कृतभाषा भारतवर्षस्य संस्कार भाषा अस्ति।

(ग) इदं भारतशासनस्य राजचिह्नम् अस्ति।

(ङ) अहर्निशं सेवायां संलग्नाः स्मः।

(ख) कर्म सु कुशलता योगः कथयन्ति।

(घ) विद्या-मृतकश्चनुते।

10. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- (क) प्रेरयन्ति - संस्कृत-साहित्ये विद्यमानाः सूक्तयः अभ्युदयाय प्रेरयन्ति।

(ख) राजचिह्नम् - एतत् भारतशासनस्य राजचिह्नम् अस्ति।

(ग) भारत शासनस्य - भारत शासनस्य मुद्रायां 'सत्यमेव जयते' इति अङ्गितम् अस्ति।

(घ) सर्वोच्च स्थानि - 'धर्मचक्र-प्रर्वतनाय' लोकसभाध्यक्षस्य सर्वोच्च स्थानानि उल्लिखित अस्ति।

(ङ) विमानम् - भारतीय वायुसेनायाः चिह्ने विमानं वर्तते।

परिशिष्टः

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।